स्फीति (von स्फाय्) f. dass. Riéa-Tan. 3,22. स्फीतीकार् (स्फीत + 1. कार्) vermehren, verstärken: येन ्कृती नार: R. 2.65;26.

स्फ्राञ्चित m. N. pr. eines Astronomen Utpala zu Vanan. Bņu. 7,9. 12,1. स्फ्ट्र स्फ्टॅंति (विकासने) Delitur. 28,80. स्फाँटति (विसर्गो, विशर्गो) 9,44. ेत (विकासने) 8,7. zu belegen nur स्फ्राटीत und स्फ्राटीत (selten); प्रकार, म्रस्कारीत, स्फ्रियित. 1) platzen (mit einem Geräusch), aufspringen, reissen, sich spalten: परि प्राेडाशः स्प्रेटेहात्पतेत वा Âçv. Ça. 3,14,18. वंश: Kaug. 93. 135. Çat. Ba. 8,1,4,9 (स्पेाटस्). पृथिवी, दैवत-प्रतिमा: Saapv. Ba. in Ind. St. 1,40. fg. ऋस्फ्टन्युक्ट राज्ञ: MBa. 1,6592. शतधा मूर्धा ते स्फ्टिप्यति MBs. 1,3023. 14,154. R. 4,46,18. KATHÂS. 75, 188. 79,46. 94,128. (तस्याः) कराभ्यां राजपुत्रस्य ततस्तञ्चत्रस्पृटत् म.arv. 1154. फ्रांचकानि Suça. 1,302,4. स्फ्टित सकलदेके कीकसम्पन्थिसंधिः Dutaras. 95, 18. स्प्रत्वापालनेत्रास्थि Mins. P. 12, 36. 21, 86. Paab. 116,2 (°स्पुरद्वत्करास्थि zu lesen). नेदानीं ॡदयं चेन्मे स्प्रिटियति सक्-ज्ञधा R. Gore. 2, 81, 4. 6, 95, 40 (स्पोरति). Uttarar. 60,3 (77, 15). Spr. (II) 7252. KATHAS. 5,100. 10,63. 21,94. 34,19. 41, 57. 86,166. 106, 99. व्हर्वे स्पृटिला मिर्ष्यिस Ver. in LA. (III) 12,9. 10. स्पृटिहर चेत: Gir. 7,80. मनो मे न यत्पुस्फार सक्स्रधा BBATT. 14,56. स्फुरेपुर्वि पर्वताः MBB. 10,222. 8,2797. Verz. d. Oxf. H. 257, a, 16. येनाएडकटाक्मस्कृटत् Вийс. P. 7,8,16. Pankar. 4,3,67. प्रांसी उस्पाहीदङ्गदेशिस Bhatt. 15,77. रवि-माउलम् 17,9. — 2) aufspringen so v. a. aufblühen: स्फ्टित क्स्मिनिकरे Gir. 5, 2. Spr. (II) 1411. Kāvjād. 3, 167. Beāg. P. 10, 13, 5. — 3) auseinanderstieben: त्राः पुस्पृश्निताः Buatt. 14, 6. 10, 8. — 4) knacken: तस्य चेर्ङ्कलय स्रायम्यमाना न स्फ्रियः KARAKA 5,3. knistern vom Feuer Vign. 1, 7, 13. Rt. 1, 25. - 5) hervorbrechen, plötzlich erscheinen: स्प्रदत्यथा यस्मात्म स्पादः Verz. d. Oxf. H. 177, b, N. 2. — 6) vergehen, sich legen (von einer Krankheit): गुल्म: स्वयमस्पृदत् Катная. 15, 16. भयाच्क्रीकाभिघाताद्वा रागा राज्ञः कदाचन । स्फुरेद्यम् 17,88. पुस्फार ऋद-यव्याधि: 42. — 7) partic. स्पारित a) geplatzt, gesprungen, aufgerissen, rissig: मांसपिएड Harr. 1130. व्हृद्यं सक्स्मघा R. 4, 19, 15. 5, 15, 28. Мя́ќн. 51,21. Катиа́s. 2,48. 86,165. °क्स्च्या Suça. 1,333,1. 182,7. 253,18. 301,1 (v. l. स्पारित). 12. खड़ Haniv. 15892 (स्पारित die neuere Ausg.). Varân. Brn. S. 50,4. 4,29. पर 49,7. 71,2. कारतल 68,41. ब्रोष्ट 52. स्पृटिताया: Haare 82. 57. 61,14. Kim. Niris. 15,10. Z.d.d.m. G. 27,65. Riéa-Tar. 3,181. Panéat. 104,15. ऋस्फुटिता शट्या VP. 3,11,107. सुधा-द्रवानुलेप Maike. 92,6. माल्याना स्फ्रिताग्रतम् Vicae. 1,7,10. Körner Belvapa. 5. — b) aufgerissen so v. a. weit geöffnet: नासिका Suca. 1,115, 5. स्फ्रिटिताल MBH. 1,8215. Pankar. 98,1. ्नयन 254,24. aufgeblüht H. 1128. Мвен. 32.

— caus. स्पार्ट्यात (स्पुर्ट्यू s. bes.) 1) sprengen, spalten (भेट्ने) Daitur. 33,48. तलघोषण पर्वतान् MBB. 5,5778. करायेण पञ्चरम् HARIV. 10268. कपालं काष्ठेन KATBAS. 25,108. उपलान् Riéa-TAR. 6,248. उट्रम् PArÉAT. 87,7. 42,10. सर्धस्पार्टित (स्तम्भ) PAréat. ed. orn. 6,3.7. काष्ठकूटचञ्चा स्पार्टितनयनः ausgestochen Paréat. 81,21. fg. — 2) schüttein, rasch
hinundher bewegen: भुतान् HARIV. 2445. 16020. लाङ्गलम् R. 6,2,19.
सङ्गलीः Suça. 2,245, 8. तिन्नाम् VARAB. Bah. S. 51,32. सङ्गम् Sih. D.
59,20. परस्परम् HARIV. 14853. Hierher oder zu स्रा caus.: तथैवास्ता-

टपंस्तलान् MBB. 10,467. विक्रीआस्फारपदाङ्क Habiv. 3684. — 3) weg-sokieben: मञ्जूषा स्फारितार्गला Kathis. 4,80. — 4) knistern: उल्ला: MBB. 9,3137. स्फारित (oder मां) n. Geknister Vanib. Bab. S. \$3,23.

- म्रा caus. म्रास्पार्यात 1) spatten, zermalmen: ततस्तां विकृतिं म-ला क्राधाराक्ष्य स तिता । म्रास्पार्याययम् परे Катия. 25, 150. 52, 128. 121, 28. 2) schütteln, rasch hinundher bewegen: बाह्र MBH. 3, 1780. लाङ्गलम् 11139. गात्राणि Vet. in LA. (III) 25, 14. ohne Ergänzung die Arme schütteln M. 4, 64. MBH. 3, 11130. 12379. 6, 5684. 7, 8181. 12, 9317. R. 5, 38, 28. 6, 15, 18. 37, 40. Suga. 2, 542, 3. Journ. of the Am. Or. S. 7, 45, 5. BHAG. P. 10, 16, 6. 36, 8. BHATT. 13, 28. nach den Erklärern mit der Hand auf den Arm schlagen: म्रास्पारित n. das Schütteln: बाह्या: Hyriv. 4682. सराक्रास्पारित (oder स्पारित) Verz. d. Oxf. H. 237, a, 14. das Schütteln der Arme MBH. 1, 2820. 3, 11132. 6, 3869. R. 5, 38, 29. 83, 5. 6, 17, 32. 35, 2. 37, 43. Vgl. मास्पार [gg.
 - परि aufspringen, bersten Suga. 1,291,14. fg.
- प्र dass.: नागानां प्रास्पुरन्कुम्भाः MBH. 8, 885. स्ट्रं प्रस्पुरिष्पति
 R. 6, 72, 55. Comm. zu Prab. 90, 11. शमलगिरिसमूलाः (80 zu lesen)
 Habb. Anth. 469, 2. caus. प्रस्पारपति 1) spaiten Harv. 13894. Kathis. 25, 273. 2) die Arme schütteln MBH. 4, 2100. Vgl. प्रस्पुर ígg.
 वि platzen, aufspringen: स्ट्रं विस्पुरिष्पति R. 6, 39, 81. Märk.
- १व piaizen, aufspringen: स्ट्रंप विस्पृतिस्पति स. ७,३४,३१. MARE.
 P. 12,३६. विस्पृतिसर्वाङ्ग MBH. ७,४४२६. Vgl. विस्पृत, विस्पृति (हुह.
 सम् इ. संस्पृत, संस्पृति.

स्पुट (von स्पुट्) 1) adj. (f. श्रा) a) offen: स्रोतम् Suça. 1,190,19. 2,210, 2. निर्मि Bulg. P. 3,15,28. aufgeblüht AK. 2,4,4,7. H. 1128. an. 2,100. MED. 1. 29. MBH. 8, 4704. UTTARAR. 63,7 (81,5). KHANDOM. 51. - b) offen vor Augen liegend, für die Sinne offen, offenbar, deutlich, verständlich, vernehmlich, klar (häufig °T adv.) AK. 3,2,31. H. 1467. H. an. Med. HALÂJ. 4,67. 5,51. कोलाक्ल R. 6,8,45. ते शस्त्रधाक्का ब्रूपः प्रयुक्ताः स्म इति स्फूटम् Kâm. Niris. 6,12. Maser. 71. Çiç. 9,79. Kin. 11,44. Spr. (II) 1293. 1409. 1445. 3355. 3575. 3786. 5472. 5966. 6574. 6644. 7017. 7253. Bhar. Natjag. 34, 114. Varan. Brn. S. 3, 40. 6, 18. 9,45. 101,13. Катийз. 2, 68. 7, 6. 16, 121. 21, 148. 30, 14. 36, 34. 43, 81. 188. 44, 21. 45,868. 52,148. Mire. P. 24, 26. 70, 3. 101,18. Kaurap. 12. Dagar. 3, 69. Sin. D. 3,22. 59,11. 310,11. 54. PRAB. 81,12. 101,9. Rica-Tar. 3, 173. 4,486. 6,117. 287. Bulg. P. 3, 22, 22. 5, 3,4. 20,29. Verz. d. Oxf. H. 110, a, 5 v. u. 173, b, No. 389. 256, a, 25. Panéat. 167, 15. Sarvadarçanas. 32,11. 117,6. 143,5. fgg. Nalod. 2,41. 蜀° adj. und adv. (平) AK. 1,1,3,2. 3,1,37. H. 266. 349. H. c. 91. Kathis. 64,125. Beig. P. \$,12, 22. SARVADARÇANAS. 143, 5. — c) bei den Mathematikern genau, correct, wirklich (Gegens. मध्यम, मध्य; vgl. स्पष्ट) Weber, Gjot. 88. 98. 100. SCRJAS. 1,60. VARAH. BRH. S. 5,25. 12,14. ARJABH. 3,23. fgg. Comm. zu 21. fgg. Ganit. Kandragr. 14. 23. Spasetade. 36. 45. Goladej. Keedjak. 42. Madejag. 25. Golabande. 25. Grahanav. 24. 29. 39. Janträdej. 16. Verz. d. Cambr. H. 41, 47, 49, Coleba. Misc. Ess. 2,325, 395, 406, 456. Z. f. d. K. d. M. 4,310. — d) ausgedehnt, weit, umfangreich; = 54111 H. an. Med. Kumaras. 1,45. 7,78. स्पारीड्यलाचन्द्रिका Spr. (II) 494. e) aussergewöhnlich, absonderlich Kârsâd. 1,47 (= विकार Comm.). f) weiss H. an. AGAJA im ÇKDa. — 2) m. a) = FTAE, TAE die sogenannte